CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 07 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

तत्ववेत्ता शिक्षाविदों के अनुसार विद्या दो प्रकार की होती है। प्रथम वह, जो हमें जीवन-यापन के लिए अर्जन करना सिखाती है। और द्वितीय वह, जो हमें जीना सिखाती है। इनमें से एक का भी अभाव जीवन को निरर्थक बना देता है। बिना कमाए जीवन-निर्वाह संभव नहीं। कोई भी नहीं चाहेगा कि वह परावलंबी हो - माता-पिता, परिवार के किसी सदस्य, जाति या समाज पर। पहली विद्या से विहीन व्यक्ति का जीवन दूभर हो जाता है, वह दूसरों के लिए भार बन जाता है। साथ ही विद्या के बिना सार्थक जीवन नहीं जिया जा सकता। बहुत अर्जित कर लेने वाले व्यक्ति का जीवन यदि सुचारु रूप से नहीं चल रहा, उसमें यदि वह जीवन-शक्ति नहीं है, जो उसके अपने जीवन को तो सत्यपथ पर अग्रसर करती ही है, साथ ही वह अपने समाज, जाति एवं राष्ट्र के लिए भी मार्गदर्शन करती है, तो उसका जीवन भी मानव-जीवन का अभिधान नहीं पा सकता। वह भारवाही गर्दभ बन जाता है या पूँछ-सींगविहीन पशु कहा जाता है।

वर्तमान भारत में दूसरी विद्या का प्रायः अभावे दिखाई देता है, परंतु पहली विद्या का रूप भी विकृत ही है, क्योंकि न तो स्कूल कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त करके निकला छात्र जीविकार्जन के योग्य बन पाता है और न ही वह उन संस्कारों से युक्त हो पाता है, जिनसे व्यक्ति 'कु' से 'सु' बनता है; सुशिक्षित, सुसभ्य और सुसंस्कृत कहलाने का अधिकारी होता है। वर्तमान शिक्षा-पद्धति के अंतर्गत हम जो विद्या प्राप्त कर रहे हैं, उसकी विशेषताओं को सर्वथा नकारा भी नहीं जा सकता। यह शिक्षा कुछ सीमा तक हमारे दृष्टिकोण को विकसित भी करती है,हमारी मनीषा को प्रबुद्ध बनाती है तथा भावनाओं को चेतन करती है, किंतु कला, शिल्प, प्रौद्योगिकी आदि की शिक्षा नाममात्र की होने के फलस्वरूप इस देश के स्नातक के लिए जीविकार्जन टेढ़ी खीर बन जाता है और बृहस्पति बना युवक नौकरी की तलाश में अर्जियाँ लिखने में ही अपने जीवन का बहुमूल्य समय बर्बाद कर लेता है। जीवन के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए यदि शिक्षा के क्रमिक सोपानों पर विचार किया जाए, तो भारतीय विद्यार्थी को सर्वप्रथम इस प्रकार की शिस्खा दी जानी चाहिए, जो आवश्यक हो, दूसरी जो उपयोगी हो और तीसरी जो हमारे को परिष्कृत एवं अलंकृत करती हो। ये तीनों सीढ़ियाँ एक के बाद एक आती हैं, इनमें व्यतिक्रम नहीं होना चाहिए। इस क्रम में व्याघात आ जाने से मानव-जीवन का चारु प्रासाद खड़ा करना असंभव है। यह तो भवन की छत बनाकर नींव बनाने के सदृश है। वर्तमान

भारत में शिक्षा की अवस्था देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्राचीन भारतीय दार्शनिकों ने 'अन्न' से 'आनंद' की ओर बढ़ने को जो 'विद्या का सार' कहा था, वह सर्वथा समीचीन ही था।

i. व्यक्ति किस परिस्थिति में मानव-जीवन की उपाधि नहीं पा सकता? **(2)**

ii. विद्या के कौन-से दो रूप बताए गए हैं? **(2)**

iii. वर्तमान शिक्षा पद्धति के लाभ व हानि बताइए। **(2)**

iv. विद्याहीन व्यक्ति की समाज में क्या दशा होती है? **(2)**

v. विद्या का सार किसे कहा गया था? **(1)**

vi. प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**

खंड - ख (व्याकरण)

2. 'अतिरिक्त' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।
   a. अ + तिरिक्त
   b. अति + रिक्त
   c. अत + रिक्त
   d. अत्य + रिक्त
3. 'स' उपसर्ग युक्त शब्द हैं -
   a. सन्मित्र, संहार
   b. सहित, सपरिवार
   c. सञ्चालन, सम्मान
   d. सच्चरित्र, सन्मार्ग
4. 'निजत्व' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
   a. निजता + व
   b. निज + तव
   c. निज + त्व
   d. निजत + व
5. 'ई' प्रत्यय लगाकर दो नए शब्द बनाइए।
   a. बीमारी, आज़ादी
   b. नारी, सति
   c. लुहारी, फुलारी
   d. कोशिशि, लेखति
6. 'नीलगाय' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
   a. नील गाय - समास विग्रह
      द्विगु समास - समास का नाम
   b. नीली है जो गाय - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

c. गाय नीली - समास विग्रह

द्वंद्व समास - समास का नाम

d. नीली है जो गाय - समास विग्रह

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

7. साफ़ - साफ़ - शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. साफ़ होने वाला - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

b. सफाई के अनुसार - समास विग्रह

द्वंद्व समास - समास का नाम

c. जितना साफ हो - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

d. बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

8. 'सात सौ दोहों का समूह' समास विग्रह का उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

a. सतसई - समस्त पद

द्विगु समास - समास का नाम

b. सप्तसमूह - समस्त पद

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

c. सप्तपद - समस्त पद

कर्मधारय समास - समास का नाम

d. सातसाईं - समस्त पद

द्वंद्व समास - समास का नाम

9. 'पीताम्बर' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. पीत अंबर - समास विग्रह

तत्पुरुष समास - समास का नाम

b. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

c. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

d. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

10. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेदों की संख्या _________ है।

a. आठ

b. दस

c. छह

d. सात

11. अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए - " उसने कोई उपाय नही छोड़ा। "

a. आज्ञावाचक

b. निषेधवाचक

c. विधानवाचक

d. इच्छावाचक

12. जिन वाक्यों में किसी से कोई बात पूछी जाए, उन्हें ________ वाक्य कहते हैं।

a. संकेतवाचक वाक्य

b. संदेहवाचक वाक्य

c. प्रश्नवाचक वाक्य

d. आज्ञावाचक वाक्य

13. जिन वाक्यों से कार्य के होने में संदेह या सम्भावना का बोध हो, वे कहलाते हैं -

a. संदेहवाचक वाक्य

b. सम्भावनावाचक वाक्य

c. संकेतवाचक वाक्य

d. सन्देशवाहक वाक्य

14. जहाँ एक या एक से अधिक वर्णों की बार-बार आवृत्ति से चमत्कार उत्पन्न हो, वहां कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. श्लेष

c. उपमा

d. अनुप्रास

15. शब्दालंकार के प्रमुख कितने भेद हैं?

a. चार

b. दो

c. पाँच

d. तीन

16. जब किसी शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हो, हर बार उस शब्द का अर्थ भिन्न हो। वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. उपमा

c. अनुप्रास

d. श्लेष

17. कोई विशिष्ट शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त करे, तो वहां कौन-सा अलंकार होता है ?

a. श्लेष

b. उपमा

c. अनुप्रास

d. यमक

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

मुझे लगता है, तुम किसी सख्त चीज़ को ठोकर मारते रहे हो। कोई चीज़ जो परत-पर-परत सदियों से जम गई है, उसे शायद तुमने ठोकर मार-मारकर अपना जूता फाड़ लिया। कोई टीला जो रास्ते पर खड़ा हो गया था, उस पर तुमने अपना जूता आज़माया। तुम उसे बचाकर, उसके बगल से भी तो निकल सकते थे। टीलों से समझौता भी तो हो जाता है। सभी नदियाँ पहाड़ थोड़े ही फोड़ती हैं, कोई रास्ता बदलकर, घूमकर भी तो चली जाती हैं।

i. लेखक प्रेमचंद का जूता फटने का क्या अनुमान लगाता है?

ii. टीला किसका प्रतीक है, प्रेमचंद ने उस पर जूता कैसे आजमाया होगा?

iii. 'पहाड़ फोड़ने' का अर्थ स्पष्ट करते हुए नदियों की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. सालिम अली का यह सफर उनके दूसरे सफर से किस तरह भिन्न है?

b. 'ल्हासा की ओर' यात्रा-वृत्तांत के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि वहाँ महिलाओं की स्थिति अच्छी है।

c. किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

d. 'दो बैलों की कथा' पाठ में आए किन्हीं दो जीवन मूल्यों को प्रसंग सहित लिखिए।

e. प्रेमचंद फोटो में कैसे नजर आ रहे थे?

20. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

क्यों हूक पड़ी?
वेदना बोझ वाली सी;
कोकिल बोलो तो!
क्या लूटा?
मृदुल वैभव की
रखवाली-सी,
कोकिल बोलो तो!
क्या हुई बावली?
अर्धरात्रि को चीखी,
कोकिल बोलो तो!
किस दावानल की

ज्वालाएँ हैं दिखीं?

कोकिल बोलो तो!

i. कवि को कोयल की वाणी वेदनापूर्ण क्यों लग रही है?

ii. कवि ने कोयल को बावली कहा है, क्यों?

iii. 'दावानल' का अर्थ काव्य के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. हिंदू-मुसलमाँ को एक-दूसरे को समान समझना चाहिए -कवयित्री इसके लिए क्या तर्क देती है?

b. कबीर ने ईश्वर को **सब स्वाँसों की स्वाँस में** क्यों कहा है?

c. 'मोहन के व्रत पर' के माध्यम से किस मोहन की बात कही गई है?

d. कवि रसखान का ब्रज के वन, बाग और तालाब को निहारने के पीछे क्या कारण हैं?

e. चौथे सवैये के अनुसार गोपियाँ अपने आप को क्यों विवश पाती हैं?

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का उद्देश्य क्या है?

b. डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है- मेरे संग की औरतें पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।

c. माटी वाली के बुड्ढे को अब रोटियों की आवश्यकता क्यों नहीं रह गई थी?

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **ट्रैफिक जाम में फंसा मैं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- ट्रैफिक की समस्या का आधार
- लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
- सुधार उपाय

b. **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- इंटरनेट क्या है?
- लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
- उपयोग के सुझाव

c. **बढ़ते उद्योग कटते वन** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- भूमिका
- वृक्षों से लाभ
- वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम
- वृक्षारोपण
- उपसंहार

24. आपका मित्र वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आया है। उसे शुभकामनाएँ देते हुए बधाई-पत्र लिखिए।

OR

शिक्षा निदेशालय दिल्ली को प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की आवश्यकता है। इस पद हेतु आवेदन-पत्र लिखिए।

25. चंचल और मोनिका सहपाठी हैं। परीक्षा के बाद दोनों के बीच होने वाले संवाद को लिखिए।

OR

प्रदीप और गरिमा के बीच लड़का और लड़की में भेदभाव पर संवाद लिखिए।

26. **काश मेरे पंख होते** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

जहाँ चाह वहाँ राह विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 07 (2020-21)

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. जीवन-यापन के लिए काफी धन अर्जित करने के बावजूद व्यक्ति का जीवन सुचारु रूप से नहीं चल पाता, क्योंकि उनके पास वह जीवन-शक्ति नहीं होती, जो स्वयं के जीवन को सत्पथ की ओर अग्रसर करती है और साथ-ही-साथ समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती है। इस परिस्थिति में व्यक्ति मानव-जीवन की उपाधि नहीं पा सकता।
   ii. विद्या के दो रूप बताए गए हैं-
      - वह विद्या जो जीवन-यापन के लिए अर्जन करना सिखाती है।
      - वह विद्या जो जीना सिखाती है।
   iii. आधुनिक शिक्षा-पद्धति हमारी बुद्ध विकसित करती है, भावनाओं को चेतन करती है, परंतु जीविकोपार्जन के लिए कुछ नहीं कर पाती।
   iv. विद्याहीन व्यक्ति न तो जीवन-यापन के लिए अर्जन करना जानता है और न ही वह जीने की कला से परिचित होता है। उसका जीवन निरर्थक हो जाता है। वह आजीवन परावलंबी होता है।
   v. प्राचीन भारतीय दार्शनिकों ने 'अन्न' से 'आनंद' की ओर बढ़ने को जो 'विद्या का सार' कहा था।
   vi. शीर्षक-शिक्षा के सोपान।

खंड - ख (व्याकरण)

2. (b) अति + रिक्त

   Explanation: 'अतिरिक्त' शब्द में 'अति' उपसर्ग है और 'रिक्त' मूल शब्द है।
3. (b) सहित, सपरिवार

   Explanation: 'सहित' और 'सपरिवार' में 'स' उपसर्ग हैं और मूल शब्द क्रमशः 'हित' और 'परिवार' हैं ।
4. (c) निज + त्व

   Explanation: 'निजत्व' शब्द में 'निज' मूल शब्द है और 'त्व' प्रत्यय है।
5. (a) बीमारी, आज़ादी

   Explanation: 'बीमारी' और 'आज़ादी' शब्द में 'ई' प्रत्यय है और 'बीमार' और 'आज़ाद' मूल शब्द हैं।
6. (b) नीली है जो गाय - समास विग्रह

   कर्मधारय समास - समास का नाम

   Explanation: इसका समास विग्रह नीली है जो गाय होगा और समास कर्मधारय है क्योंकि यहाँ विशेषण - विशेष्य का संबंध है।
7. (d) बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

   अव्ययीभाव समास - समास का नाम

Explanation: यहाँ अव्ययीभाव समास है क्योंकि ये दोनों ही पद अव्यय हैं।

8. (a) सतसई - समस्त पद

   द्विगु समास - समास का नाम

   Explanation: यहाँ पूर्व पद (सप्त) संख्यावाची विशेषण है इसलिए यहाँ द्विगु समास होगा।

9. (c) पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

   बहुव्रीहि समास - समास का नाम

   Explanation: समास विग्रह का अन्य अर्थ निकलने के कारण यहाँ बहुव्रीहि समास है।

10. (a) आठ

    Explanation: अर्थ के आधार पर वाक्य के 8 (आठ) भेद हैं ।

11. (b) निषेधवाचक

    Explanation: 'नही' का प्रयोग निषेधवाचक वाक्य में किया जाता है ।

12. (c) प्रश्नवाचक वाक्य

    Explanation: जिन वाक्यों में बात या प्रश्न पूछा जाए, उन्हें प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं।

13. (a) संदेहवाचक वाक्य

    Explanation: संदेह व संभावना को संदेहवाचक वाक्यों द्वारा व्यक्त किया जाता है।

14. (d) अनुप्रास

    Explanation: अनुप्रास I जैसे- मुदित महीपति मंदिर आए। ('म' वर्ण की आवृत्ति बार- बार है)

15. (d) तीन

    Explanation: शब्दालंकार के प्रमुख तीन भेद हैं -अनुप्रास ,यमक और श्लेष I

16. (a) यमक

    Explanation: यमक। जैसे - काली घटा का घमंड घटा। (घटा- बादलों की घटा, कम हुआ) 'घटा' शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हुई है।

17. (a) श्लेष

    Explanation: श्लेष I जैसे- मंगन को देखि पट देत बार-बार है। (पट- दरवाजा, पट-वस्त्र) 'पट' शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त कर रहा है I

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. i. प्रेमचंद का जूता फटने के बारे में लेखक अनुमान लगाता है कि प्रेमचंद ने अपनी राह में खड़े किसी कठोर पत्थर या सख्त चीज़ पर अपने पैरों से ठोकर मारी होगी। बार-बार ठोकर मारने के कारण शायद उनका जूता फट गया होगा। ऐसी अवरोधक वस्तु को रास्ते से हटा कर अन्य लोगों के लिए वह मार्ग को अच्छा बनाना चाहते थे। वे उससे बचकर किनारे से निकल सकते थे पर उनके संघर्षशील और विरोधी स्वभाव ने उन्हें बचकर नहीं निकलने दिया।

    ii. टीला उन सामाजिक कुरीतियों और बुराइयों का प्रतीक है जो प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कदम-कदम पर जटिलता उत्पन्न करती है। ये बुराइयाँ हैं-गरीबी, सूदखोरी, अशिक्षा, धर्मांधता, जातीयता आदि। प्रेमचंद ने इनसे संघर्ष करते हुए इनका विरोध किया और उन्हें दूर करने का प्रयास किया।

iii. 'पहाड़ फोड़ने' का अर्थ है- सफलता पाने के लिए अनवरत संघर्ष और प्रयास करना। यहाँ नदियाँ उन कमजोर व्यक्तियों का प्रतीक हैं जो कठिनाइयों और बाधाओं से संघर्ष करने के स्थान पर उनसे बचकर निकलना ही श्रेष्ठ समझते हैं।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. इस सफ़र से पहले जब भी सालिम अली अपने गले में दूरबीन लटकाए और कंधे पर थैला डाले पक्षियों के बारे में खोजबीन करने के लिए निकलते थे तो वे कुछ समय बाद ही उनके बारे में दुर्लभ जानकारियों के साथ लौटते। यह सफ़र उन सभी सफर से बिलकुल अलग था । यह वो अंतहीन सफ़र था जहाँ जाने के बाद वहाँ से कोई भी लौट कर नहीं आता इसलिए ये सफ़र उनके दूसरे सफ़र से भिन्न था।

b. 'ल्हासा की ओर' यात्रा-वृत्तांत से ज्ञात होता है कि वहाँ महिलाओं की स्थिति बहुत अच्छी है। वहाँ स्त्रियों के लिए परदा-प्रथा नहीं है। जात-पात के नाम पर कोई भेदभाव नहीं है। वे स्वतंत्र विचारों वाली हैं। अपरिचितों का आतिथ्य सत्कार वे मनोयोग से करती हैं । समाज में उनकी स्थिति बहुत महत्त्वपूर्ण है। उन पर पुरुषों की वैचारिक दासता स्वीकारने के लिए कोई दबाव नहीं डाला जाता।

c. निम्नलिखित घटनाओं से पता चलता है कि हीरा-मोती में गहरी दोस्ती थी-

i. हीरा और मोती एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर एक-दूसरे के प्रति अपना प्रेम प्रकट करते थे।

ii. जब इन दोनों को हल में जोता जाता तो दोनों की यही कोशिश रहती कि ज्यादा-से-ज्यादा भार उनकी पीठ पर हो |

iii. गया ने जब हीरा की पिटाई करी तो मोती दुखी होकर हल लेकर भागा जिससे हल, जोत, जुआ सब टूट गए।

iv. साँड़ ने जब एक बैल पर आक्रमण किया तो दूसरा साँड़ के पेट में सींग घुसेड़ देता था, इस प्रकार दोनों ने सांड को भगा दिया |

v. मटर खाते समय जब मोती पकड़ा गया तो हीरा वापस आ गया और दोनों को कांजीहौस में बंदी बना लिया गया |

vi. कांजीहौस की दीवार गिराते समय हीरा को मोटी रस्सियों में बाँध दिया गया। यदि मोती चाहता तो अन्य पशुओं के साथ-साथ स्वयं भी भाग जाता, पर उसने वहाँ से न जाकर अपनी सच्ची मित्रता का परिचय दिया |

d. 'दो बैलों की कथा' पाठ में अनेक जीवन-मूल्य उभरकर आए हैं, जिनमें से दो प्रमुख निम्नलिखित हैं-

i. **सच्ची मित्रता की भावना**- हीरा और मोती सच्चे मित्र हैं | वे अपनी जान की परवाह न करके एक दूसरे का हर परिस्थिति में साथ देते हैं | ऐसा करके वे सच्ची मित्रता का निर्वाह करते हैं।

ii. **परोपकार की भावना**- हीरा-मोती कांजीहौस में बंद अनेक जानवरों का जीवन बचाते हैं | इस प्रकार वे दोनों परोपकार का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

e. प्रेमचंद फोटो में अत्यंत ही साधारण वेशभूषा में नज़र आ रहे थे। फोटो में उनके साथ उनकी पत्नी भी थी। प्रेमचंद ने धोती-कुरता पहना हुआ था और सर पर टोपी लगाई हुई थी। उनके पैरों में कैनवास के जूते थे, जो बड़ी ही बेतरतीबी से बंद थे। उनकी लोहे की पतरी निकल आई थी। बाएँ पैर का जूता फटा हुआ था। उसमें से उनकी अंगुली बाहर दिखाई दे रही थी। उनके चेहरे पर व्यंग्यात्मक मुस्कान थी।

20. i. कवि को कोयल की वाणी वेदनापूर्ण इसलिए लग रही है क्योंकि दिन के समय मधुर स्वर में गाने वाली कोयल आधी रात में करुण क्रंदन कर रहीं है।

ii. कवि के अनुसार कोयल तो मधुर स्वर की स्वामिनी है। जब सारा संसार नींद में मग्न है, ऐसे में कोयल अर्धरात्रि में वहाँ करुण क्रंदन कर रही है। ऐसी स्थिति में उसकी पुकार कौन सुनेगा इसलिए कोयल को कवि ने 'बावली' कहा है।

iii. दावानल का अर्थ-वह आग है जो दो पेड़ों की डालियों के घर्षण के फलस्वरूप उत्पन्न होती है और जंगल में फैल जाती है। काव्य के संदर्भ में इसका अर्थ अंग्रेजों के अत्याचारपूर्ण व्यवहार के कारण लोगों में फैले आक्रोश से है, जो उग्र रूप लेता जा रहा है, जिसमें जलकर सब कुछ नष्ट हो सकता है।

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. कवयित्री हिंदू और मुसलमानों को कहती है कि वे सांप्रदायिक विचारों को त्यागकर एक-दूसरे को समान समझें। इसके लिए वह तर्क देती है कि हिंदू और मुसलमान दोनों ही उसी एक ईश्वर की संतान है, फिर हिंदू-मुसलमान के आधार पर ऊँच-नीच या छोटे-बड़े की बात कहाँ से आ गई।

b. कवि ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' इसलिए कहा है क्योंकि सभी प्राणियों की रचना ईश्वर ने की है | प्रत्येक मनुष्य के अंदर स्थित आत्मा ईश्वर का ही अंश है | जीव का अस्तित्व उसी आत्मा के कारण संभव है |

c. भारत पर उन दिनों अंग्रेजों का शासन था। उन्हें भारत से बाहर निकालने के लिए अनेक देशवासियों ने अपने प्राणों की बलि दे दी थी। गाँधी जी भी देश की स्वतंत्रता के लिए दृढ़प्रतिज्ञ थे। 'मोहन के व्रत पर' के माध्यम से मोहनदास करमचंद गांधी को 'मोहन' कहा गया है।

d. कवि श्रीकृष्ण और उनसे जुड़ी हर वस्तु से अगाध प्यार करता है। ब्रज के वन, बाग, तथा तालाबों के आस-पास श्रीकृष्ण आया करते थे। वे इनमें गाय चराते हुए, रासलीला रचाते हुए आया-जाया करते थे। कवि श्रीकृष्ण से जुड़ाव तथा लगाव महसूस करता है। इसलिए कवि इन वनों, बागों और तालाबों को निहारते रहना चाहता है क्योंकि वह उनमें कृष्ण का अंश महसूस करता है।

e. चौथे सवैए के अनुसार-श्रीकृष्ण की मुरली की धुन अत्यंत मधुर तथा मादक है तथा उनका रूप अत्यंत सुंदर है। उनकी मुरली की मधुरता तथा उनके रूप सौंदर्य के प्रति गोपियाँ आसक्त हैं। वे इनके समक्ष स्वयं को विवश पाती हैं और कृष्ण की होकर रह जाती हैं।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. 'बच्चे काम पर जा रहे है' कविता का उद्देश्य बाल-मजदूरी को रोकना तथा बच्चों की इस दयनीय दशा के प्रति समाज का ध्यान आकर्षित कराना है। बच्चों को काम पर जाता हुआ देखकर कवि अत्यंत दुखी और हताश है। वह लोगों के मन में उन बच्चों के प्रति संवेदना उत्पन्न करना चाहता है। वह चाहता है कि खेलने-कूदने तथा पढ़ने की इस उम्र में बच्चों को काम पर नहीं भेजा जाना चाहिए। उन्हें पढ़ाई-लिखाई तथा खेलने-कूदने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। समाज के लोगों की यह जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे बच्चों को काम करने से रोकें तथा उनका छिनता बचपन लौटाएँ ताकि वे अच्छे और सुयोग्य नागरिक बन सकें क्योंकि ऐसे बच्चे ही अपना जीवन खुशहाल कर देश की उन्नति में सहायक होते हैं।

b. यह बिल्कुल सत्य है कि डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से सबको राह पर लाया जा सकता है। इस पाठ के अनुसार एक चोर दीवार काटकर हवेली में घुस आया। उसी कमरे में जिसमे माँ जी सोई हुई थीं। आहट सुनकर उनकी आँख खुल गई। उन्होंने पूछा, "कौन?" जवाब मिला "चोर"। माँ जी ने उसे पानी लाने का आदेश दिया। चोर पानी लेकर आ रहा था कि पहरेदार द्वारा पकड़ लिया गया और उनके सामने लाया गया। माँ जी ने लोटे का आधा पानी पीकर उसे आधा पिला दिया और कहा, "आज से हम माँ बेटे हुए। अब तू चाहे चोरी कर या खेती।" चोर ने चोरी करना छोड़कर खेती का काम करना शुरू कर दिया और आजीवन चोरी नहीं की। यदि वह मारपीट करती तो चोर न सुधरता।

c. माटी वाली घर की मालकिन से मिली तीन रोटियाँ लेकर जा रही थी। वह मन-ही-मन आज बहुत खुश थी। घर पहुँचने पर कदमों की आहट सुनकर भी जब बुड्ढे के शरीर में हलचल न हुई तो बुढ़िया का माथा ठनका, उसने देखा कि बुड्ढा मर चुका था। उसे अब और रोटियों की जरूरत न थी।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **ट्रैफिक की समस्या का आधार-** विज्ञान ने आज हमारी जीवन शैली को पूरी तरह बदल दिया है विज्ञान के आविष्कारों में से एक महत्त्वपूर्ण आविष्कार है यातायात के साधन, जिससे हम मीलों की दूरी कुछ ही समय में सहजता से पूरी कर लेते हैं जिसे पूरा करने में प्राचीन समय में महीनों लग जाते थे। वर्तमान समय में अधिकांश लोगों के पास अपने निजी वाहन कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि हैं जो सड़कों पर जाम की दिनों -दिन बढ़ती समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं।

लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी- आज हर व्यक्ति जल्दी में नजर आता है और इसी जल्दबाज़ी के कारण सड़क पर जाम लग जाता है। बाइक, कार-सवार अपनी लेन में चलने के स्थान पर दूसरे को ओवर टेक करते हैं तथा ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सख्ती से अपने कर्तव्य पालन न करने के कारण इसे बढ़ावा मिलता है।

सुधार के उपाय- ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति पाने के लिए सरकार को ट्रैफिक के कड़े नियम बनाने चाहिए तथा सख्ती से उन्हें लागू करना चाहिए। इसके साथ ट्रैफिक के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए। सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही इस समस्या से निजात मिल सकता है।

b. **इंटरनेट क्या है?** - आधुनिक युग सूचना प्रोद्यौगिकी का युग है। आज का विश्व विज्ञान के दृढ़ स्तम्भ पर टिका है। विज्ञान ने मनुष्य को अनेक शक्तियाँ, सुख-सुविधाएँ तथा क्रान्तिकारी उपकरण दिए हैं, जिनमें इन्टरनेट एक अत्यधिक महत्वपूर्ण, बलशाली एवं गतिशील सूचना का माध्यम है। सन् 1986 में इन्टरनेट का आरम्भ हुआ था। यह अनेक कम्प्यूटरों का एक जाल है, जिसके सहयोग से आज का मनुष्य विश्व के किसी भी भाग से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है।

लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक - इंटरनेट से सारी दुनिया हमारी मुट्ठी में आ गई है। बस, एक बटन दबाइए सब कुछ क्षण भर में आँखों के सामने उपस्थित हो जाता है। इसने दुनिया के सभी लोगों को जोड़ दिया है। ज्ञान के क्षेत्र में अद्भुत क्रान्ति आ गई है। ज्ञान, विज्ञान, खेल, शिक्षा, संगीत, कला, फिल्म, चिकित्सा आदि सबकी जानकारी इंटरनेट से उपलब्ध है। इससे देश-विदेश के समाचार, मौसम, खेल सम्बन्धी ताजा जानकारी प्राप्त होती हैं। इन्टरनेट से विज्ञान, व्यवसाय व शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य होने लगे हैं, जिससे समाज में बेरोजगारी समाप्त हो सकती है।

उपयोग के सुझाव - इंटरनेट सभी के लिए उपयोगी है लेकिन इसका प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है जिससे हमारा डाटा सुरक्षित रह सकता है। इसका दुरुपयोग होने से भी बचाया जा सकता है। जल्दबाजी करने से हमारी सूचना व धन किसी दूसरे के पास पहुँच सकते हैं। अतः हमें इंटरनेट का प्रयोग करते समय अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए।

c. **भूमिका-** ईश्वरीय सृष्टि की अद्भुत, अलौकिक रचना प्रकृति है। मनुष्य ने प्रकृति की गोद में आँखें खोली हैं एवं प्रकृति ने ही मनुष्य का पालन-पोषण किया है, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योगों के बढ़ने से वनों की कटाई बढ़ती जा रही है।

वृक्षों से लाभ- मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन पेड़-पौधों पर आश्रित रहता है। पेड़-पौधों की लकड़ी विभिन्न रूपों में मनुष्य के काम आती है। वृक्षों से हमें फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ आदि प्राप्त होती हैं। शुद्ध वायु एवं तपती दोपहर में छाया वृक्षों से ही प्राप्त होती है। वृक्ष वर्षा में सहायक होते हैं एवं भूमि को उर्वरक बनाते हैं।

वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम- जनसंख्या के दबाव, शहरों का विस्तार, फैक्ट्रयों के लिए भूमि की कमी को दूर करने के लिए वृक्षों की व्यापक पैमाने पर कटाई मनुष्य के द्वारा की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण का बढ़ना एवं प्राकृतिक आपदाओं से विनाश का खतरा बढ़ता जा रहा है।

वृक्षारोपण- देर से सही, मनुष्य ने वृक्षों के महत्व को स्वीकारा तो है। वन विभाग द्वारा नये वृक्षों का रोपण किया जा रहा है एवं पुराने वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए वन महोत्सव प्रारम्भ किया गया है जो जुलाई मास में मनाया जाता है जिसमें व्यापक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जाता है।

उपसंहार- आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य प्रकृति से जुड़े। यह समझे कि कुल्हाड़ी वृक्षों पर नहीं वरन् उसी पर चल रही है। हमारी संस्कृति में वृक्षों पर देवताओं का वास बताया गया है एवं वृक्ष काटना भयंकर पाप बताया है। वृक्षारोपण करने को महान् पुण्य बताया है।

24. 275/बी-5,
शांति निकेतन, दिल्ली।
02 मार्च, 2019
प्रिय मित्र गोविन्द,
मधुर स्मृतियाँ।

आशा है कि तुम प्रसन्न होगे। तुम्हारा पत्र मिला। पत्र में यह पढ़कर बड़ी प्रसन्नता हुई कि तुमने अंतर विद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर मैं तुम्हें अपनी शुभकामनाएँ एवं बधाई दे रहा हूँ।

मित्र, मैंने देखा है कि तुम बचपन से ही अपनी बात को अत्यंत दृढ़ता से कहते थे। तुम्हारी बातों में तार्किकता और सत्यता होती थी, जिसे तुम अत्यंत आत्मविश्वास से कहते थे। तुमने ज़रूर आत्मविश्वास से लबरेज हो अपनी बातें सामने रखी होंगी कि अन्य प्रतिभागी तुम्हारा मुँह देखते रह गए होंगे। याद करो, मैं कहा करता था कि तुम्हारी यह वाक् पटुता तुम्हें सफलता दिलाने में सहायक होगी। वह बात सही निकली। मेरी कामना है कि तुम सफलता की नित नई ऊँचाइयों को छुओ। इस सफलता के लिए एक बार पुनः हार्दिक शुभकामनाएँ।

अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम एवं शैली को स्नेह कहना। शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर शीघ्र देना।

पत्रोत्तर की आशा में,
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
गौतम सिंह

OR

शिक्षा निदेशक महोदय,
पुराना सचिवालय,
दिल्ली।
02 फरवरी, 2019

विषय- प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (हिंदी) पद हेतु आवेदन-पत्र

महोदय,

नवभारत टाइम्स के 01 फरवरी, 2019 के अंक में प्रकाशित विज्ञापन के प्रत्युत्तर में मैं एक उम्मीदवार के रूप में अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

नाम - राहुल कुमार

पिता का नाम - मोहित कुमार

जन्मतिथि - 25 अप्रैल, 1985

शैक्षिक योग्यताएँ	X	रा.व.मा.बा विद्यालय, पालम, नई दिल्ली	प्रथम श्रेणी 65%	2000
	XII	रा.व.मा.बा विद्यालय, पालम, नई दिल्ली	प्रथम श्रेणी 70%	2002
	बी.ए.	दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	प्रथम श्रेणी 63%	2005
	एम.ए.	दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	द्वितीय श्रेणी 58%	2007
व्यावसायिक योग्यता	बी.एड.	चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, हरियाणा	प्रथम श्रेणी	2009

अनुभव - कमला नेहरू बाल संस्थान सुलतानपुर में हिंदी शिक्षक पद पर 2 साल तक शिक्षण का अनुभव।

आशा है कि मेरी योग्यताओं पर विचार कर सेवा कर अवसर प्रदान करेंगे।

सधन्यवाद।

प्रार्थी

राहुल कुमार,

75-C,

कैलाशपुरी, दिल्ली।

25. **चंचल** - अरे मोनिका ! कहाँ जा रही हो? बड़ी जल्दी में हो। कैसी हो?

मोनिका - मैं ठीक हूँ, माँ ने दूध मंगाया था, वही लेने जा रही हूँ। तुम बताओ, कैसी हो ?

चंचल- मैं भी बिलकुल ठीक हूँ। तुम्हारी परीक्षा कैसी हुई ?

मोनिका - यह तो रिजल्ट ही बताएगा।

चंचल - मैं तुमसे रिजल्ट नहीं, मैं तो पूछ रही हूँ, कैसे हुए पेपर?

मोनिका - अंग्रेजी तो अच्छा हुआ पर गणित का एक प्रश्न छूट गया। तुम्हारे कैसे हुए?

चंचल - मेरे पेपर अच्छे हुए हैं। अंग्रेजी और गणित में तो मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। परंतु इसके रिजल्ट का मुझे भरोसा नहीं रहता।

OR

गरिमा - प्रदीप, तुमने देखा है, सब जगह लड़का-लड़की में भेद किया जाता है। आज समाज तो आधुनिक हो गया है पर उसकी सोच में कोई परिवर्तन नहीं आया है।

प्रदीप - हाँ, यह तो हर रोज की बात है।

गरिमा - माँ, मुझसे ज्यादा प्रकाश का ध्यान रखती है। हर चीज पहले उसी को पसंद करने के लिए दी जाती है। मुझसे तो पसंद-नापसंद पूछने का सवाल ही नहीं।

प्रदीप - हाँ-हाँ, मेरे घर में भी ऐसा ही होता है। माँ मेरी बहिन मानसी की बजाय सबसे पहले मुझे ही देती है।

गरिमा - हाँ, एक दिन तो हद ही हो गई। उस दिन प्रकाश रात के बारह बजे घर आया पर माँ ने उसे ज़रा भी नहीं डाँटा। मैंने कहा तो कहने लगी कि वो तो लड़का है।

प्रदीप - हाँ, तुम ठीक कह रही हो। उस दिन मानसी घर में आठ बजे पहुँची तो माँ ने कई दिन तक उसका घर से बाहर निकलना ही बंद कर दिया। भला ये भी कोई बात हुई। लड़के-लड़की के बीच इतना भेदभाव क्यों ?

गरिमा - परंतु हमारे समाज में तो ऐसा नहीं होना चाहिए। वैसे तो आधुनिकता की होड़ में पुरुष-स्त्री को समान महत्त्व देने की बात कही जाती है। पर अभी भी इस तरह भेदभाव किया जाता है।

प्रदीप - आज युवाओं को मिलकर लोगों की इस सोच को बदलने का प्रयास करना होगा और इसके लिए हमें अपने घर से ही पहल करनी होगी।

गरिमा - हाँ-हाँ, तुम बिलकुल ठीक कर रहे हो, हम सबको मिलकर पहले अपने परिवारजनों की सोच को बदलना होगा तभी हम समाज की सोच को बदल सकेंगे। अन्यथा लड़का-लड़की में भेद हमेशा होता रहेगा।

26. **काश मेरे पंख होते**

आज लॉकडाउन हुए एक महीना पूर्ण हो चुका था छात्रावास की खिड़की पर बैठा गिरीश बहुत उदास था क्योंकि अभी थोड़ी देर पहले मोबाइल पर पापा का फोन आया था कि उसके दादाजी की तबियत बहुत खराब है वे किसी तरह उन्हें अस्तपताल लेकर जा रहे थे। रह-रहकर दादाजी का चेहरा उसकी आँखों के सामने आ रहा था | तभी उसकी नजर सामने बगीचे में फुदकती गौरैया पर पड़ी वह कभी उड़कर इधर तो कभी उधर जा रही थी थोड़ी देर के लिए गिरीश ख्यालों में खो गया कि "काश! मेरे पंख होते" तों मैं उड़कर दादाजी के पास पहुँच जाता, उनको अपनी सेवा से खुश कर देता। तरह-तरह के रोचक किस्से सुनाता जैसे वे बचपन में सुनाते थे। उसे घर की भी बहुत याद आ रही थी, छात्रावास की चारदीवारी में रहते-रहते वह ऊब गया था। वही चेहरे, वही खाना उसका मन नही लग रहा था। काश उसके पंख होते तो गाँव के लहलहाते खेत में टहलता , घर के आँगन में फुदकता माँ के हाथों का गरमा-गरम खाना खाता। "काश! मेरे पख होते" सोचते-सोचते गिरीश गहरी नींद में सो गया।

OR

जहाँ चाह वहाँ राह

कुछ दिन पहले की बात है, जब मैं अपने स्कूल पहुँचा तो मुझे ज्ञात हुआ कि हमारे स्कूल में दौड़ की प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला है। मुझे बचपन से ही खेलकूद खास तौर पर दौड़ में बहुत दिलचस्पी थी। फिर मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ दौड़ के लिए नामांकन कराने गया। नाम दर्ज कराने के बाद पता चला कि दौड़ की प्रतियोगिता 20 दिनों के बाद रखी गई है।
उसके बाद मैंने अपनी तैयारी शुरू कर दी लेकिन एक सप्ताह बाद ही बाजार से आते समय मेरा एक्सीडेंट हो गया और मेरे पाँव में मोच आ गई। मुझे लगा कि मैं अब दौड़ में शामिल नहीं हो पाऊँगा। ऐसे में मेरे माता-पिता ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा कि कोई बात नहीं अभी भी दस दिन बाकी हैं। अगर तुम हिम्मत नहीं हारोगे तो सबकुछ हो सकता है। मैंने मन में ठान लिया कि मुझे अब दौड़ना है और देखते-देखते दौड़ का दिन भी आ गया। अगर हम अपने मन से कोई काम चाहें तो वह जरूर पूरा होता है और ऐसा हुआ भी। मैंने दौड़ में भाग भी लिया और दूसरा स्थान प्राप्त किया।